राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शनिवार • 27 नवम्बर • 2021

फ्रेशर पार्टी कर जूनियर्स का किया स्वागत

सीनियर-जूनियर शिक्षार्थी आपसी प्यार व सहयोग के साथ करें पढ़ाई : कुलपति

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में शुक्रवार को सीनियर्स छात्रों ने 2021 वैच के विभिन्न पाठ्यक्रमों के जूनियर स्टूडेंट्स के स्वागत में फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया। इस अवसर पर जूनियर स्टूडेंट्स भी खौफ भूलकर सीनियर्स छात्रों के साथ गले मिले। मनोरंजन के लिए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। सीनियर-जूनियर स्टूडेंट्स के साथ शिक्षकों ने भी कार्यक्रम का आनंद लिया।

फ्रेशर पार्टी में नृत्य प्रस्तुत करतीं जूनियर छात्राएं। फोटो : एसएनबी

कैलाश भवन प्रेक्षागृह में 2020 वैच के स्नातक छात्रों द्वारा 2021 वैच के स्नातक शिक्षार्थियों लिए आयोजित फ्रेशर पार्टी का उद्घाटन कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने किया। इस मौके पर उन्होंने सीनियर-जूनियर को साथ मिल कर एक-दूसरे के सहयोग से पढ़ने-सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ.आरपी सिंह, डॉ.धर्मराज सिंह, डॉ.वेदरत्न, डॉ.खलील खान सहित अन्य शिक्षक, वार्डन्स व रैगिंग कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे। फ्रेशर पार्टी के तहत विभिन्न नृत्य-संगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। सीनियर-जूनियर छात्रों सहित विवि समुदाय के लोगों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। विवि में पिछले दिनों सीनियर छात्रों ने जूनियर छात्रों पर हमला वोला था, जिसको लेकर ववाल हुआ था। उक्त विवाद के वाद विवि प्रशासन की कोशिश छात्रों के वीच प्यार-सहयोग वनाये रखने की है। उम्मीद है यह आयोजन सीनियर-जूनियर छात्रों के वीच टकराव खत्म कर उन्हें साथ मिलकर पढ़ने-सीखने को प्रेरित करेगा।

अमर उजाला

शनिवार • 27.11.2021

kanpur.amarujala.com

फ्रेशर पार्टी में जूनियर छात्रों को ड्रेस कोड अखरा

कानपुर। कुछ दिनों पहले सीएसए में हुई रैगिंग के बाद गले-शिकवे मिटाने के लिए शुक्रवार को फ्रेशर पार्टी आयोजित की गई। पार्टी में सीनियर छात्रों ने जूनियर छात्रों को यूनिफार्म का ड्रेस कोड दिया। छात्राओं को एथनिक में आने की छूट मिली। कुलपति प्रोफेसर डीआर सिंह ने संविधान दिवस पर डॉ. बीआर अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया। सीनियर्स ने जूनियर छात्रों के सामने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। जूनियर छात्रों ने मंच पर अपना परिचय दिया। हालांकि जूनियर छात्रों को यूनिफॉर्म में बैठना अखरा। उन्होंने कहा कि हमें ड्रेस कोड क्यों दिया गया। सीनियरों और शिक्षकों का कहना है कि जूनियरों को गिफ्ट दिए जाने हैं। उनको आसानी से पहचाना जा सके, इसके लिए ऐसा किया गया। इस दौरान डॉ. आरपी सिंह, डॉ. धर्मराज सिंह, मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान मौजूद रहे। (ब्यूरो)

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 | अंक:315 | देहरादून, शुक्रवार, 26 नवंबर, 2021 | पृष्ठ:08

एक दिवसीय गुणवत्ता परक बीज उत्पादन एवं आपूर्ति पर आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में कास्ट एन सी परियोजना अंतर्गत एक दिवसीय आभासी सतत गुणवत्ता बीज उत्पादन और बीज आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए नियामक ढांचा विषय पर प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में के मुख्य अतिथि डॉ आर आर हंचिनाल पूर्व कुलपति कृषि विश्वविद्यालय धारवाड़ (कर्नाटक) ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया मुख्य अतिथि ने अवगत कराया कि पिछले 6 दशकों से कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं उन्होंने बताया कि देश का खाद्यान्न 1950 में 50 मिलियन टन से बढ़कर 2020–21 में 305 मिलियन टन हो गया है तथा फल एवं सब्जियों का उत्पादन 1991 में 87 मिलियन टन से बढ़कर 2020–21 में 322 मिलियन टन हो चुका है उन्होंने कहा कि वर्ष 1965 की तुलना में आज खाद्यान्न उत्पादन क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता में क्रमशः 140, 799 एवं 274: की वृद्धि हुई है डॉक्टर हंचिनाल ने अवगत कराया कि अधिक उत्पादन वाली फसलों के गुणवत्ता युक्त बीजों के प्रयोग से 45: तक उत्पादकता बढ़ जाती है वर्ष 1948 –1970 तक देश में केवल तीन निजी बीज उत्पादक संस्थाएं बीज विकास शोध में कार्य थी जबकि आज 80 निजी संस्थाएं कार्यरत हैं। यह सब देश में पूर्ण रूप से स्थापित एवं लागू बीज विनिमय और विधायी ढांचे के कारण संभव हो पाया है इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक सचिव डॉ सी एल मौर्य ने प्रशिक्षण की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए अवगत कराया कि कृषि उत्पादन पूरी तरह से बीज पर निर्भर करता है क्योंकि बीज खेती के लिए प्राथमिक और अत्यधिक महत्वपूर्ण निवेश है कार्यक्रम में परियोजना के मुख्य अन्वेषक, निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश ने अतिथियों का स्वागत किया है जबकि कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सी एल मौर्य ने किया।

अंत में डॉ राजीव ने समस्त अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के 171 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया इस अवसर पर मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान, डॉ विनय चौरसिया, पारस कुशवाहा, राजकुमार, सुबोध, रवि कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वर्ष 15 अंक 323 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, शनिवार 27 नवम्बर 2021

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, एटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com पेज -8

एक दिवसीय गुणवत्ता परक बीज उत्पादन एवं आपूर्ति पर आभासी प्रशिक्षण संपन्न

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में कास्ट एन सी परियोजना अंतर्गत एक दिवसीय आभासी सतत गुणवत्ता बीज उत्पादन और बीज आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए नियामक ढांचा विषय पर प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में के मुख्य अतिथि डॉ आर आर हंचिनाल पूर्व कुलपति कृषि विश्वविद्यालय धारवाड़ (कर्नाटक) ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने अवगत कराया कि पिछले 6 दशकों से कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने बताया कि देश का खाद्यान्न 1950 में 50 मिलियन टन से बढ़कर 2020-21 में 305 मिलियन तन हो गया है। तथा फल एवं सब्जियों का उत्पादन 1991 में 87 मिलियन टन से बढ़कर 2020-21 में 322 मिलियन टन हो चुका है उन्होंने कहा कि वर्ष 1965 की तुलना में आज खाद्यान्न उत्पादन क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता में क्रमशः- 140, 799 एवं 274न की वृद्धि हुई है। डॉक्टर हंचिनाल ने अवगत कराया कि अधिक उत्पादन

वाली फसलों के गुणवत्ता युक्त बीजों के प्रयोग से 45 प्रतिशत तक उत्पादकता बढ़ जाती है। वर्ष 1948 -1970 तक देश में केवल तीन निजी बीज उत्पादक संस्थाएं बीज विकास शोध में कार्य थी। जबकि आज 80 निजी संस्थाएं कार्यरत हैं। यह सब देश में पूर्ण रूप से स्थापित एवं लागू बीज विनिमय और विधायी ढांचे के कारण संभव हो पाया है। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक सचिव डॉ सी एल मौर्य ने प्रशिक्षण की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए अवगत कराया कि कृषि उत्पादन पूरी तरह से बीज पर निर्भर करता है। क्योंकि बीज खेती के लिए प्राथमिक और अत्यधिक महत्वपूर्ण निवेश है। कार्यक्रम में परियोजना के मुख्य अन्वेषक/ निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश ने अतिथियों का स्वागत किया है जबकि कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सी एल मौर्य ने किया। अंत में डॉ राजीव ने समस्त अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के 171 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान, डॉ विनय चौरसिया, पारस कुशवाहा, राजकुमार, सुबोध, रवि कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

05 हिन्दुस्तान
कानपुर • शनिवार • 27 नवंबर 2021

सीएसए की फ्रेशर पार्टी में दिखा रैगिंग का खौफ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कैलाश भवन सभागार में शुक्रवार को हुई फ्रेशर पार्टी में रैगिंग का खौफ नजर आया। सुरक्षा के बड़े इंतजाम किए गए थे तो जूनियर छात्रों का अलग ड्रेसकोड निर्धारित था। छात्राओं को एथनिक ड्रेस में आने की छूट दी गई थी।

सीएसए के कैलाशभवन सभागार में हार्टिकल्चर, फॉरेस्ट्री, कम्युनिटी साइंस और एग्रीकल्चर के द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया। फ्रेशर पार्टी की शुरुआत विवि के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने किया। संविधान दिवस के मौके पर उन्होंने डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया। सीनियर्स ने जूनियर छात्रों के सामने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति की और जूनियर छात्रों ने मंच पर आकर अपना परिचय दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान जूनियर छात्र ड्रेस में बैठे रहे, जिसको लेकर उनमें आक्रोश रहा।

6 कानपुर न्यूज www.dinartimes.in DT दीनार टाइम्स
कानपुर, शुक्रवार, 26 नवंबर 2021

तीन दशक में फल और सब्जियों का उत्पादन 322 मिलियन टन हुआ

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में कास्ट एन सी परियोजना अंतर्गत एक दिवसीय आभासी सतत गुणवत्ता बीज उत्पादन और बीज आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए नियामक ढांचा विषय पर प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में के मुख्य अतिथि डॉ आर आर हंचिनाल पूर्व कुलपति कृषि विश्वविद्यालय धारवाड़ (कर्नाटक) ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने अवगत कराया कि पिछले 6 दशकों से कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने बताया कि देश का खाद्यान्न 1950 में 50 मिलियन टन से बढ़कर 2020-21 में 305 मिलियन तन हो गया है। तथा फल एवं सब्जियों का उत्पादन 1991 में 87 मिलियन टन से बढ़कर 2020-21 में 322 मिलियन टन हो चुका है उन्होंने कहा कि वर्ष 1965 की तुलना में आज खाद्यान्न उत्पादन क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता में क्रमशः 140, 799 एवं 274न्न की वृद्धि हुई है। डॉक्टर हंचिनाल ने अवगत कराया कि अधिक उत्पादन वाली फसलों के गुणवत्ता युक्त बीजों के प्रयोग से 45न्न तक उत्पादकता बढ़ जाती है।

कृषि उत्पादन पूरी तरह से बीज पर निर्भर

वर्ष 1948 -1970 तक देश में केवल तीन निजी बीज उत्पादक संस्थाएं बीज विकास शोध में कार्य थी। जबकि आज 80 निजी संस्थाएं कार्यरत हैं। यह सब देश में पूर्ण रूप से स्थापित एवं लागू बीज विनिमय और विधायी ढांचे के कारण संभव हो पाया है। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक सचिव डॉ सी एल मौर्य ने प्रशिक्षण की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए अवगत कराया कि कृषि उत्पादन पूरी तरह से बीज पर निर्भर करता है। क्योंकि बीज खेती के लिए प्राथमिक और अत्यधिक महत्वपूर्ण निवेश है। कार्यक्रम में परियोजना के मुख्य अन्वेषक/ निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश ने अतिथियों का स्वागत किया है जबकि कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सी एल मौर्य ने किया। अंत में डॉ राजीव ने समस्त अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के 171 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान,डॉ विनय चौरसिया, पारस कुशवाहा, राजकुमार, सुबोध,रवि कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बीते छह दशक में कृषि के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन, एक दिवसीय गुणवत्ता परक बीज उत्पादन एवं आपूर्ति पर आभासी प्रशिक्षण संपन्न

Sign in to edit and save changes to this file.

दैनिक भास्कर

बीज उत्पादन एवं आपूर्ति आभासी प्रशिक्षण पर 171 प्रतिभागियों ने किया प्रतिभाग

कानपुर । सीएसए में कास्ट एन सी परियोजना अंतर्गत एक दिवसीय आभासी सतत गुणवत्ता बीज उत्पादन और बीज आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए नियामक ढांचा विषय पर प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में के मुख्य अतिथि डॉ आर आर हंचिनाल पूर्व कुलपति कृषि विश्वविद्यालय धारवाड़ (कर्नाटक) ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने अवगत कराया कि पिछले 6 दशकों से कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने बताया कि देश का खाद्यान्न 1950 में 50 मिलियन टन से बढ़कर 2020-21 में 305 मिलियन तन हो गया है। तथा फल एवं सब्जियों का उत्पादन 1991 में 87 मिलियन टन से बढ़कर 2020-21 में 322 मिलियन टन हो चुका है उन्होंने कहा कि वर्ष 1965 की तुलना में आज खाद्यान्न उत्पादन क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता में क्रमशः 140, 799 एवं 274% की वृद्धि हुई है।

Sign in to edit and save changes to this file.

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress https://worldkhabarexpress/
WORLD खबर EXPRESS
शुक्रवार, 26-11-2021 अंक- 412
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com
WORLD खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER
PAGE 08

ब्रा पलांट कर निक्की तंबोली ने पूछा- आगे क्या ख्याल है?

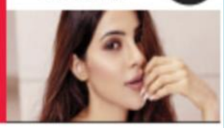

गुणवत्ता युक्त बीजों से 45 फीसदी बढ़ती है उत्पादकता

सीएसए में हुआ गुणवत्ता परक बीज उत्पादन एवं आपूर्ति पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कास्ट एनसी परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय आभासी सतत गुणवत्ता बीज उत्पादन और बीज आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए नियामक ढांचा विषय पर प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ कृषि विश्वविद्यालय धारवाड़ (कर्नाटक) के पूर्व कुलपति आरआर हंचिनाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने अवगत कराया कि पिछले छह दशकों से कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं।

उन्होंने बताया कि देश का खाद्यान्न 1950 में 50 मिलियन टन से बढ़कर 2020-21 में 305 मिलियन तन हो गया है। फल व सब्जियों का उत्पादन 1991 में 87 मिलियन टन से बढ़कर 2020-21 में 322 मिलियन टन हो चुका है। वर्ष 1965 की तुलना में आज खाद्यान्न उत्पादन क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता में 140, 799 व 274 फीसदी की वृद्धि हुई है। अधिक उत्पादन वाली फसलों के गुणवत्ता युक्त बीजों के प्रयोग से 45 फीसदी तक उत्पादकता बढ़ जाती है। वर्ष 1948 -1970 तक देश में केवल तीन निजी बीज उत्पादक संस्थाएं बीज विकास शोध में कार्य थी जबकि आज 80 निजी संस्थाएं कार्यरत हैं। यह सब देश में पूर्ण रूप से स्थापित व लागू बीज विनिमय और विधायी ढांचे के कारण संभव हो सका है। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक सचिव डॉ. सीएल मौर्य ने बताया कि कृषि उत्पादन पूरी तरह से बीज पर निर्भर करता है क्योंकि बीज, खेती के लिए प्राथमिक और अत्यधिक महत्वपूर्ण निवेश है। कार्यक्रम में परियोजना के मुख्य अन्वेषक/ निदेशक शोध डॉ. एचजी प्रकाश ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि संचालन डॉ. सीएल मौर्य ने किया। अंत में डॉ. राजीव ने अतिथियों व प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के 171 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान, डॉ. विनय चौरसिया, पारस कुशवाहा, राजकुमार, सुबोध, रवि कुमार सहित अन्य रहे।